डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 242 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 16 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

उफ्फ, इतना गंदा पानी– एसडीआरएफ की टीम ने शनिवार को बारिश पूर्व स्विमिंग पूल पर पहुंचकर बाढ़ से मानव को बचाव के लिए प्रेक्टिस की। इस दौरान स्विमिंग पूल के पानी को नदी के पानी से भी गंदा बताया। जानकारी के अनुसार विगत दो-तीन दिनों से स्विमिंग पूल में क्लोरीन गैस नहीं छोड़ी जा रही है। जिसके कारण पुल का पानी नीले की जगह हरा होने लगा है। साथ ही स्विमिंग पूल में ऑक्सीजन बंद होने के कारण स्विमिंग पूल के पानी में ऑक्सीजन की कमी हो रही है?

किसान संगठनों का विरोध और शिवराज की चुनौतियां...

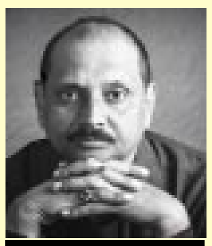

प्रकाश भटनागर

संयुक्त किसान मोर्चा शिवराज सिंह चौहान के कृषि और किसान कल्याण मंत्री बनने का विरोध कर रहा है। इस विरोध का कारण 2017 में मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में हुए गोलीकांड को बताया जा रहा है। अब विरोध करने वाले ये नहीं जानते हैं कि उस आंदोलन की शुरूआत किसानों के नाम पर हुई थी। लेकिन, आखिर में वो केवल पाटीदार आंदोलन होकर रह गया था। इस अराजक आंदोलन में जिन छह किसानों की मौत हुई थी, कमोवेश उनमें भी पाटीदार ज्यादा थे और गोलीकांड आंदोलन के हिसंक स्वरूप के कारण हुआ था। बावजूद इसके मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज ने तब बिना देर किए मृतक किसानों के परिवारों को एक करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की थी। वे तमाम मृतकों के परिवारों से मिलने उनके घर भी गए थे और उनके गुस्से को पूरी सहनशीलता से झेला भी था।

2018 के विधानसभा चुनाव का नतीजा तब मंदसौर जिले की सात विधानसभा सीटों में से छह पर भाजपा की जीत के साथ सामने आया था। जिस विधानसभा क्षेत्र में यह गोलीकांड हुआ था, उसमें भाजपा उम्मीदवार वर्तमान उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पिछली बार के मुकाबले ज्यादा वोटों से चुनाव जीते थे। और भाजपा का जो एक मात्र उम्मीदवार चुनाव हारा था, वो पाटीदार समाज से था। और ऐसा भी शायद पहली बार हुआ था कि इंदौर और उज्जैन संभाग की साठ से ज्यादा विधानसभा सीटों में से एक भी पाटीदार उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाया था। किसान जातियों में यह सबसे प्रभावशाली और समृद्ध समाज माना जाता है। जाहिर है बाकी पिछड़ी किसान जातियां भाजपा के साथ एक जूट हो गईं थी। यह सब बताने का मकसद इतना भर है कि शिवराज का किसान संगठनों के नाम पर जो विरोध सामने आया है वो भी शायद प्रायोजित ज्यादा है। शिवराज किसानों के प्रति जितने संवेदनशील साबित हुए हैं, उतना शायद कोई और दूसरा मुख्यमंत्री याद करना मुश्किल होगा। लेकिन, अब केन्द्र सरकार में शिवराज के लिए यह जिम्मेदारी ज्यादा चुनौतियों के साथ सामने आने वाली है।

वीडियो गेम में मेरी कभी खास रुचि नहीं रही, लेकिन ऐसे एक खेल ने कभी मेरा ध्यान खींचा था। मारियो। वह चरित्र जिसे खेलने वाला एक के बाद एक पायदान पर आगे लेता जाता है। खेल की चुनौतियां दिखने में समान हैं, लेकिन वह हर चरण के बाद निरंतर जटिल होती जाती हैं और यदि मारियो उन्हें सफलता के साथ पार कर लें तो वह अपनी मंजिल पर पहुंच जाता था। इस वक्त मैं ऐसा ही कुछ शिवराज सिंह चौहान के लिए महसूस कर रहा हूं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री को अब नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में कृषि विभाग का जिम्मा दिया गया है। शिवराज किसान के पुत्र हैं। इसी परिवेश में जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजार चुके हैं। खेती-किसानी से उनका उपलब्धि भरा सरोकार यह भी रहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अपनी कुशल नीतियों और अच्छी नीयत से राज्य के अन्नदाता को भाजपा का अटूट वोटदाता बनाने में भी सफलता हासिल कर ली थी। इसके अनेक उदाहरण हैं। राज्य में प्याज की फसल खराब हुई तो चौहान की सरकार ने उसकी आठ रुपए में खरीद कर के किसानों को प्याज के आंसू रोने से बचा लिया। कर्ज के मर्ज से किसान बचा रहे, इसके लिए उन्होंने ब्याज मुक्त ऋण की योजना लागू की। देश के हृदय प्रदेश में किसानों के लिए सिचाई के रकबे में सात लाख से 45 लाख हेक्टेयर की वृद्धि कर शिवराज ने ही खेती-किसानी की मंद हो रही धड़कन को नई गति प्रदान की थी।

शिवराज की ऐसी सफलता और भी हैं और इसी संदर्भ में कहा जा सकता है कि अब उनके सामने चुनौतियां पहले से कहीं ज्यादा हैं। वह भी ऐसी कि फिलहाल उनका ओर-छोर नजर नहीं आता। अब बात एक राज्य की बजाय पूरे देश की है। राज्य भी वह, जहां किसान आमतौर पर प्रदेश सहित केंद्र में भाजपा की सरकार से नाराज नहीं रहा और देश वह, जहां आज पंजाब सहित हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अन्नदाता केंद्र की सरकार से खासा नाखुश है। मामला यहीं तक सिमट कर नहीं रह जाता। खेती अब लाभ का धंधा नहीं रही। फसल के उचित मूल्य सहित न्यूनतम समर्थन कीमत को लेकर भी इस वर्ग के बीच कमोबेश पूरे देश में निराशा का माहौल है। इसके चलते यह हो रहा है कि वर्तमान सरकार और किसानों के बीच कहीं अघोषित तो कहीं मुखर रूप से खींचतान का वातावरण बना हुआ है। इस सबके बीच कृषि मंत्री के रूप में शिवराज के लिए अपनी उपयोगिता साबित करना टेढ़ी खीर हो गया है। मध्यप्रदेश में उन्होंने खेत-खलिहान वालों को लेकर जो बड़े निर्णय लिए, वे मुख्यमंत्री के रूप में लिए जाना आसान था। पूरे देश के स्तर पर इस तरह के फैसले ले पाना निश्चित ही आसान नहीं रहेगा। खास तौर पर तब, जबकि विपक्ष के कई दल किसानों के गुस्से को भुनाने की विधा में निपुण हो चुके हैं और बहुत बड़े पैमाने पर खुद किसान भी अपनी पीड़ा को सियासी रंग देने के अभ्यास में सिद्धहस्त हो गए हैं। मोदी के दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना किसान आंदोलन इस तथ्य की पुष्टि करता है। निश्चित ही मोदी सरकार ने इस दिशा में कई प्रयास किए हैं। छह हजार... पेज 1 से जारी

गांधीसागर अभयारण्य बनेगा कूनो से बड़ा नेशनल पार्क

वन विभाग ने भेजा राज्य सरकार को क्षेत्रफल बढ़ाने का प्रस्ताव

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। गांधीसागर वन अभयारण्य वर्तमान में वन्य जीवों, जलीय जीव व पशु पक्षियों के लिए स्वर्ग साबित हो रहा है। आज यह कई विलुप्ती की कगार पर चल रही वन्य प्रजातियों के लिए सुरक्षित व संरक्षित आवास बन गया है। यही कारण है कि वन विभाग अब यहां चीतो को बसाने की तैयारी अंतिम चरण में है। केंद्र ने इसे और सुरक्षित बनाने के लिए गांधीसागर के चारो तरफ सीमा के बाहर तीन किमी के एरिया को इंको सेसेटिव जोन बनाने के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। अब एक ओर बड़ी खबर यह है कि गांधी सागर सेंचुरी को कूनो से बड़े नेशनल पार्क बनाने की तैयारी हो चुकी है। चीता प्रोजेक्ट को देखते हुए मंदसौर-नीमच की गांधीसागर सेंचुरी को भविष्य में कूनो की तरह ही नेशनल पार्क बनाया जा सकता है। वन विभाग ने राज्य सरकार को गांधी सागर सेंचुरी का क्षेत्रफल बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा है।

क्षेत्रफल हो जाएगा 1300 वर्ग किमी...

368.62 वर्ग किमी में फैली गांधी सागर सेंचुरी में नीमच जिले के मनासा और रामपुरा रेंज के 750 वर्ग किमी और मंदसौर जिले की भानपुरा रेंज के 150 वर्ग किमी से अधिक के रिजर्व फॉरेस्ट को शामिल करने की सिफारिश की गई है। इसके बाद गांधीसागर सेंचुरी का क्षेत्रफल लगभग 1300 वर्ग किलोमीटर हो जाएगा, जो कूनो से ज्यादा है। सूत्रों के मुताबिक अफ्रीकी चीतों की तीसरी खेप अक्टूबर माह में आ सकती है। गांधी सागर सेंचुरी को अभी 6 चीतों के हिसाब से तैयार किया गया है। यहां 64 वर्ग किमी में आठ क्वारंटीन बोमा बनाए गए हैं। जिनमें से 6 में चीतों को रखा जाएगा, दो बोमा रिजर्व में रहेंगे। पिछले माह केन्याई दल भी निरीक्षण कर चुका है।

दो सौ से ज्यादा प्रजाति के पक्षी...

कुछ माह पहले यहां पक्षियों की गणना का काम किया गया। इसमें दो सौ से ज्यादा प्रजाति के पक्षी मिले। विलुप्त हो चुकी प्रजाति के पक्षी भी यहां मिले हैं। वन संरक्षक उज्जैन एमआर बघेल ने बताया कि वैसे तो हर एक जीव प्रकृति का अभिन्न अंग है। किंतु किसी क्षेत्र में पक्षियों की जैव विविधता वहां के स्वच्छ पारिस्थितकीय तंत्र का सूचक है। गांधीसागर में 200 से अधिक प्रजाति के पक्षियों की जैव विविधता यह दर्शाती है कि गांधीसागर अभयारण्य के खुले घांस के मैदान तथा गांधीसागर जलाशय वन्य जीवों के लिए भी अच्छे आवास स्थल हो सकते हैं।

121 चीतल शिफ्ट किए, 250 और भेजेंगे...

चीतों को बसाने के लिए भी कार्य योजना पर काम हो रहा है। चीतों के लिए भोजन की तैयारी की जा रही है। गांधी सागर सेंचुरी में पिछले एक साल से चीतो के शिकार के लिए शाकाहारी जानवर बढ़ाने की कवायद चल रही है। अब तक कान्हा नेशनल पार्क से 121 चीतल गांधीसागर में शिफ्ट किए जा चुके हैं। जुलाई-अगस्त में 250 चीतल की शिफ्टिंग भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क से होने जा रही है।

यह है गांधीसागर अभयारण्य में खास...

गांधी सागर अभयारण्य में वृक्षों की 70 प्रजातियांए, जड़ी बूटियों और झाड़ियों की 23 प्रजातियां, लताओं और परजीवियों की 9 प्रजातियां, घासों व बांसों की 16 स्तनधारी की 18 पक्षियों की 226 मछलियों की 14 सरीसृप की 17 उभयचरों की 5 तितलियों की 15 प्रजातियां पाई जाती है। यहां तेदुंआ, भेडिया, सियार, भारतीय लोमड़ी, धारीदार लक्कड़बग्गा, रीछ जैसे सैकडों वन्यजीव पाएं जाते है। हिमालय, अफगानिस्तान व चाइना के कुछ क्षेत्रों में बर्फबारी होने की वजह से हिमालयन गिद्ध वहां से पलायन करते है। यूरोप में बर्फबारी की वजह से यूरेशियन गिद्ध वहां से निचले हिस्सों के लिए निकल जाते है। सिनेरियर गिद्ध अभी दो तीन साल से यहां आने लगे है। श्री यादव ने बताया कि गांधीसागर में ठंडक होने के साथ गिद्धों के प्राकृतिक आवास जैसे चट्टानों में खोह, पहाडों पर लटकते पेडों पर घोसले बने है।

मगरमच्छों की संख्या भी बढ़ी...

पिछले कुछ सालों के आंकड़ो पर नजर डाले तो अभयारण्य में वन्य जीव बिना किसी समस्या के जीवन यापन कर रहे है व उनकी संख्या में काफी इजाफा देखा गया है। गांधीसागर में मगरमच्छो की संख्या 1500 से 5 हजार पार तक पहुंची है। वहीं दो साल पहले हुए बर्ड सर्वे में यहां पक्षियों की 226 प्रजातियां पाई गई। प्रदेश में दूसरे नंबर पर गांधीसागर में सबसे अधिक गिद्ध पाए गए है। यहीं नहीं उदबिलाव, गिद्ध, नीलगाय, हायना, जेकल जैसी कई प्रजातियों की संख्या में इजाफा हुआ है। विशेषज्ञों की माने तो गांधीसागर में अभी मनुष्य का हस्तक्षेप अधिक नहीं होने से यह वन्य जीवों के लिए अच्छी जगह बना हुआ है।

रक्तदान : एक दिन में 238 यूनिट लेकर प्रदेश में फर्स्ट आया मंदसौर का ब्लड बैंक....

एक ही दिन में 238 यूनिट रक्तदान दिया

[सांसदद्वय, विधायक सहित शामिल हुए थे जनप्रतिनिधि]

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। एक ही दिन में 238 यूनिट रक्तदान लेकर पूरे प्रदेश में मंदसौर के बड़े अस्पताल का ब्लड बैंक अव्वल आया है। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। इसमें मंदसौर का बड़ा अस्पताल भी शामिल हुआ। शिविर में लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायक विपीन जैन समेत विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं गणमान्यजनों ने शिरकत की। जिसमें सिविल सर्जन डॉ डीके शर्मा, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ सौरभ शर्मा एवं काउंसलर रामगोपाल पाटीदार के प्रयासों से दानदाताओं ने बढ़चढ़कर रक्तदान किया। जिससे मंदसौर जिला पूरे प्रदेश में प्रथम आया।

सिविल सर्जन डॉ डीके शर्मा ने बताया कि विश्व रक्तदान शिविर के अवसर पर मन्दसौर बड़े अस्पताल द्वारा तीन रक्तदान शिविर लगाए गए। पहला शिविर बड़े अस्पताल में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिविर लगाया गया। शाम 6 बजे से यहीं पर एक और शिविर लगाया गया। साथ ही शामगढ़ में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरो के माध्यम से एक ही दिन में 238 यूनिट रक्तदान बड़े अस्पताल को प्राप्त हुआ। यह पूरे प्रदेश में सबसे अधिक है। जिससे मंदसौर जिला पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर आया है। दूसरे नंबर पर नीमच जिला है, जहां 187 यूनिट तथा तीसरे नंबर पर उज्जैन जिले में 159 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ है। नर्मदापुरम में 116 यूनिट, खरगोन में 88 यूनिट, बेतुल में 87 यूनिट, गुना में 80 यूनिट तथा जबलपुर में 42, शहडोल में 40, रतलाम में 31, दमोह में 26 और उमरिया में 24 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ है। डॉ शर्मा ने बताया कि मंदसौर जिले में आयोजित किए गऐ रक्तदान शिविर में शामगढ़ में भारत विकास परिषद के सहयोग से 54 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ। बड़े अस्पताल मंदसौर में जैन सौश्यल ग्रुप मेन, रेड आर्मी, जय हो ग्रुप, रोटरी क्लब, मिरेकल कॉलेज, टीम जीवनदाता, टीम रक्त मित्र, आशुतोष मित्र मंडल के सहयोग से 101 यूनिट बड़े अस्पताल के ब्लड बैंक में 58 यूनिट तथा राजकुमार सोनी सेवा संस्थान एवं एचएफसी के सहयोग से 25 यूनिट इस तरह कुल 238 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ है। मंदसौर में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, रक्तदानदाताओं, गणमान्य जनों ने रक्तदान के प्रति जो जागरूकता दिखाई है वह वास्तव में तारीफे काबिल है। एक ही दिन में मंदसौर जिले को 238 यूनिट रक्तदान मिला, इससे कई मरीजों की जान बचेगी। डॉ डीके शर्मा ने रक्तदान करने वाले सभी दानदाताओं, सहयोगी संस्थाओं एवं गणमान्यजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान के प्रति मंदसौर ने जो जागरूकता दिखाई है, वह पूरे प्रदेश में मिसाल बनी है।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन में मृत अवस्था में मिले थे 15 गौवंश...

गौवंश मामले में फरार आरोपी जहरीली शराब के साथ गिरफ्तार

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में मृत अवस्था में मिले गौवंश मामलें में फरार आरोपियों को वायडी नगर पुलिस ने जहरीली शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि गौवंश के फरार आरोपियों के संबंध में पुलिस को मुखबीर से महत्वपूर्ण सूचना मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने मुश्ताक पिता अजीम दाणा जाति मुसलमान उम्र 42 साल निवासी मुल्तानपुरा, उस्मान पिता मोहम्मद हनीफ खां मेवाती उम्र 50 साल निवासी दाउदखेड़ी, साबिर उर्फ गेणा पिता लतीफ मुल्ला उम्र 40 साल निवासी मुल्तानपुरा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे की मारुती ब्रेजा कार से कुल 210 लीटर जहरीली शराब किमती 31हजार 500 रु की जप्त की।

आरोपियों पर पुलिस ने अपराध धारा 34(2), 49 ए आबकारी अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया। पुछताछ के दौरान पता चला कि उक्त आरोपियो पर थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा के अपराध धारा 4,6,9 म.प्र. गोवंश वध प्रतिशेध अधि. एवं 11(1) (घ) पशुक्रुरता अधि. मे प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी रईस .... शेष पेज 4 पर

वाहन रैली में गिरी सोने की चेन, युवक ने वापस की

इमानदारी की सराहना, माहेश्वरी समाज ने कार्यक्रम में किया सम्मान

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। माहेश्वरी समाज की वाहन रैली में शामिल युवक के गले से करीब 2 लाख से अधिक कीमत की 30 ग्राम वजनी सोने की चेन गिर गई थी। जिसे एक युवक ने उठाकर वापस लौटाने के लिए करीब एक किलो मीटर तक वाहन रैली का पीछाकर, जिसकी चेन थी उसे लौटाई।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह महेश नवमी के अवसर पर माहेश्वरी समाज द्वारा शहर में एक वाहन रैली निकाली गई। वाहन रैली रामटेकरी घाटी पर पहुंची। इस दौरान गौल चौराहा निवासी संजय मण्डोवरा के गले से उनकी सोने की चेन गिर गई। यह दृश्य वहां से गुजर रहे युवक अरविंद माली ने देख लिया और चेन को सुरक्षित कर संजय को आवाज लगाई। लेकिन, भीड़ और डीजे की आवाज में वे सुन नहीं पाए। इसके बाद उक्त व्यक्ति की ईमानदारी यह रही कि उसने वह चेन लौटाने के लिए वाहन रैली का महाराणा प्रताप तिराहे तक पीछा किया और यहां श्री मालू के दोपहिया वाहन पर सवार संजय मण्डोवरा को भीड़ से अलग निकाल कर ले गए और उन्हें चेन लौटाई। अब तक मण्डोवरा अपनी चेन गिरने की घटना से अंजान ही थे। जैसे ही अरविंद ने उन्हें पूरी घटना सुनाई मण्डोवरा गद-गद हो गए और अरविंद का लाख-लाख धन्यवाद दिया। इसके बाद अरविंद माली का उनकी ईमानदारी के लिए महेश नवमी उत्सव के दौरान माहेश्वरी भवन पर माहेश्वरी समाज ने सम्मान किया।

नर्सिंग घोटाला: सेटिंग से कालेज को सूटेबल बताने वालो को फिर टेन्शन

नर्सिंग कॉलेजों की दोबारा होगी जांच, सुप्रीम कोर्ट का दखल से इंकार

भोपाल, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर सहित प्रदेश भर में लंबे समय से सवालों के घेरे में रहने के बाद भी सेटिंग करके नियमों को ताक पर रखने वाले नर्सिंग कॉलेज चलते रहे। इसके बाद मामला जनहित याचिका के माध्यम से न्यायालय पहुंचा। जांच सीबीआई को सौंपी गई। जांच में भी रिश्वत देकर नर्सिंग कॉलेज बच गए। रिश्वतकांड सामने आने के बाद हाईकोर्ट ने फिर से जांच के आदेश दिए। मामला सुप्रीम कोर्ट गया तो वहां भी सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से इंकार कर दिया है। अब प्रदेश के साथ ही मंदसौर के सूटेबल कालेज की रिपोर्ट प्राप्त करने वाले 169 कालेजो की जांच फिर से होगी।

नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़े में लिप्त सीबीआई जांच में सूटेबल घोषित किए गए 169 कॉलेजों की दोबारा सीबीआई जांच के मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने दखल देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने मौखिक रूप से यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि हर कोई यह प्रदर्शित करना चाहता है कि यह नर्सिंग कॉलेज सामान्य रूप से काम कर रहे थे। लेकिन, यह सच नहीं है। उल्लेखनीय है कि नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच कर रहे सीबीआई के अधिकारियों की घूसखोरी सामने आने के बाद उनके द्वारा क्लीनचिट देकर 169 कॉलेजों को सूटेबल घोषित किए जाने की रिपोर्ट सवालों के घेरे में आ गई थी। यह भी सामने आया कि बिना मापदंड पूरा करने वाले कॉलेजों को भी सूटेबल बता दिया गया। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 30 मई को जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सूटेबल घोषित कॉलेजों को सीबीआई की नई टीम से दोबारा जांच के आदेश दिए गए थे।

कोर्ट ने जांच संबंधित जिलों के न्यायिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में जांच करने और वीडियोग्राफी कराने के भी आदेश दिए थे। इसे नर्सिंग कॉलेज संचालकों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए आदेश निरस्त करने की मांग की थी। यह भी दावा किया गया था कि उनके कॉलेज में कमियां नहीं हैं, रिपोर्ट सही है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ इससे सहमत नहीं हुई और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के दोबारा सीबीआई जांच के आदेश पर हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। हालांकि स्पष्ट किया गया कि यह आदेश संबंधित पक्षों को लंबित कार्यवाही में उच्च न्यायालय के समक्ष सभी प्रासंगिक मुद्दों को उठाने से नहीं रोकेगा।

तेरह आरोपियों को 28 जून तक जैल भेजा...

अनफिट नर्सिंग कॉलेजों को फिट बताने के एवज में रिश्वतखोरी करने के मामले में गिरफ्तार किए गए 13 आरोपियों को शुक्रवार को विशेष सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया। यहां से सभी को 28 जून तक न्यायिक अभिरक्षा में जैल भेजा गया। दो आरोपियों मलय कॉलेज की प्राचार्य सुमा भास्करन और इंदौर निवासी मोहम्मद तनवीर की ओर से जमानत याचिका दी गई। इस पर 18 जून को सुनवाई की जाएगी। इस मामले में सीबीआई के बर्खास्त इंस्पेक्टर राहुल राज, कई कॉलेज संचालक समेत 23 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें 13 गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं, नौ जून को छतरपुर से दस लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ाए एनएचएआई के जीएम पुरुषोत्तम लाल चौधरी समेत सात आरोपियों को सीबीआई रिमांड खत्म होने पर कोर्ट में पेश किया गया। सीबीआई ने आरोपियों से पूछताछ के लिए 18 जून तक रिमांड की मांग की, जिसे मंजूर कर लिया गया।

विचार-मंथन

नीट में धांधली के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

चिकित्सा विज्ञान के स्नातक पाठ्यक्रम के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता और प्रवेश परीक्षा यानी नीट में धांधली के आरोपों को सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरता से लिया है। उसने राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए से इस मामले से जुड़े सवालों का जवाब देने को कहा है। दरअसल, इस बार की नीट परीक्षा के नतीजों में कई तरह की विसंगतियां देखी गई हैं। जब परीक्षा ली गई, तब बिहार और राजस्थान के कुछ केंद्रों पर गलत पर्चे बांट दिए गए थे। बाद में उन्हें दुरुस्त कर दिया गया। तब विद्यार्थियों ने आरोप लगाया था कि पर्चाफोड़ हुआ है, परीक्षा रद्द कर दुबारा कराई जानी चाहिए। लेकिन एनटीए ने इससे इनकार कर दिया। उसका कहना है कि तकनीकी गड़बड़ी की वजह से गलत पर्चा बंट गया था। फिर नतीजे तय तिथि से दस दिन पहले ही घोषित कर दिए गए। नतीजों में सड़सठ विद्यार्थियों को पूरे सात सौ बीस अंक मिले हैं। यह पहली बार हुआ है। एनटीए का कहना है कि जिन विद्यार्थियों को देर से पर्चे मिले, उन्हें समय की हानि होने के चलते कृपांक दिए गए। उसका क्या आधार है, यह भी स्पष्ट नहीं है। हालांकि एनटीए अब भी अपनी बात पर कायम है कि पर्चाफोड़ नहीं हुआ और न गलत तरीके से किसी विद्यार्थी को अंक दिए गए। परीक्षा में पूरी तरह पारदर्शिता और शुचिता बरती गई है। उसका यह तर्क सर्वोच्च न्यायालय के सामने सही ठहर पाता है या नहीं, देखने की बात है। एनटीए ने कृपांक की शिकायतों के समाधान के लिए एक जांच समिति गठित कर दी है, लेकिन उस पर विद्यार्थियों को भरोसा नहीं है। दरअसल, चिकित्सा पाठ्यक्रमों के दाखिले में धांधली की शिकायतें पुरानी हैं। उन शिकायतों को दूर करने के मकसद से ही एनटीए के माध्यम से प्रवेश परीक्षा कराने का निर्णय किया गया था। एनटीए की बनाई गई व्यवस्था के तहत नीट की परीक्षा के प्रश्नपत्र देश के सभी केंद्रों पर एक साथ विद्यार्थियों को मिलते हैं। उनमें किसी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश कम रहने का दावा किया जाता है। फिर भी, जिस तरह एनटीए की दूसरी परीक्षाओं में पर्चे बाहर निकल गए और कई परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं, उससे नीट को लेकर भी आशंका गहरी हुई है। एनटीए को बहुत भरोसेमंद और चाक-चौबंद संस्था माना जाता है, अगर उसकी परीक्षाओं में भी धांधली के आरोप लग रहे हैं, तो स्वाभाविक ही इससे उसकी साख पर सवाल उठते हैं। पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं के पर्चे बाहर होने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। न केवल छोटे सरकारी पदों के लिए, बल्कि राज्यों के लोकसेवा आयोगों की परीक्षाओं के भी पर्चे बाहर होने की घटनाएं हो चुकी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड में अनेक प्रतियोगी परीक्षाएं इसीलिए रद्द करनी पड़ीं कि उनके पर्चे परीक्षा से पहले ही बाहर निकल चुके थे। इसे लेकर पहले उत्तराखंड सरकार ने कड़े कानून बनाए, फिर केंद्र सरकार ने भी कानून बनाने की घोषणा की। नकल माफिया पर नकेल कसने के लिए हर सरकार कमर कसती दिखती है, लेकिन नकल कराने वालों के हौसले पस्त पड़ते नजर नहीं आते। परीक्षाएं रद्द होने से बहुत सारे विद्यार्थियों की मेहनत पर पानी फिरता, उनका मनोबल टूटता और पैसे की बर्बादी होती है। इस हताशा में कई विद्यार्थी खुदकुशी तक का रास्ता अख्तियार करते देखे जा रहे हैं। जब तक सरकारें इस मामले में दृढ़ इच्छाशक्ति नहीं दिखाएंगी, यह सिलसिला शायद ही रुके।

पाकिस्तान और चीन की शह पर बढ़ेंगी मोदी की चुनौतियां

अजय सेतिया

अपने तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी के सामने नए तरह की चुनौतियां हैं। पहली चुनौती अब तक के सबसे मजबूत विपक्ष का सामना करना होगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस की बढ़ी हुई ताकत हर छोटे बड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर सरकार को कटघरे में खड़ा करेगी। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड तीन ऐसे प्रदेश हैं, जहां भाजपा की ताकत घटी है। इन तीनों ही राज्यों में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव हैं। इनमें से दो राज्यों में भाजपा सत्तारूढ़ है। अगर भाजपा महाराष्ट्र और हरियाणा वापिस नहीं जीतती तो मोदी सरकार को अगले चार साल हमलावर विपक्ष का सामना करना होगा, और अपने सहयोगियों को साथ रखने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ सकती है। दूसरी चुनौती पाकिस्तान और चीन की ओर से खड़ी की जाएगी। मोदी को अपने दूसरे कार्यकाल में भी इन दोनों ही पड़ोसी देशों से मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं ने अपने बयानों से इन दोनों देशों को मोदी सरकार के खिलाफ मसाला परोसा था। जैसे चीन की ओर से कथित तौर पर लद्दाख में भारतीय जमीन पर चीन के कब्जे की बात। मोदी सरकार इस मुद्दे पर राष्ट्र को संतुष्ट नहीं कर पाई थी कि कांग्रेस जो कुछ कह रही है, वह गलत है। तीसरी चुनौती देश के भीतर पनप रहे अलगाववाद की होगी। लोकसभा के चुनाव नतीजों में कम से कम तीन प्रदेशों पर निगाह रखना बेहद जरूरी है। जम्मू कश्मीर के बाद सबसे ज्यादा संवेदनशील राज्य पंजाब हो गया है। जहां जम्मू कश्मीर में एक पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी जीत गया है। वहीं पंजाब में दो अलगाववादी चुनाव जीत गए हैं। जम्मू कश्मीर की बारामुला सीट से अब्दुल रशीद शेख जीता है, जो इंजीनियर रशीद के नाम से मशहूर है। वह आतंकवादियों को फंडिंग के आरोप में 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है, जेल में रहते हुए ही वह चुनाव जीत गया है। इंजीनियर रशीद ने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराया है। इंजीनियर रशीद की जीत के बाद उसके समर्थन में जोरदार प्रदर्शन हुआ है। पंजाब में भी एक खालिस्तानी अमृतपाल सिंह असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद रहते हुए चुनाव जीत गया है। अमृतपाल सिंह के अलावा इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह का बेटा सरबजीत सिंह खालसा भी फरीदकोट से चुनाव जीत गया है। पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की नीतियों के कारण पंजाब में अलगाववादियों के हौसले बुलंद हुए हैं। अमृतपाल सिंह और सरबजीत खालसा की जीत के बाद पंजाब में कई जगहों पर खालिस्तान के झंडों के साथ जोरदार प्रदर्शन हुए हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार की नाक के नीचे सैकड़ों लोगों ने खालिस्तानी झंडों के साथ प्रदर्शन किया। तीन अलगाववादियों के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद भारत विरोधी ताकतें एक बार फिर सिर उठाने की कोशिशें कर रही हैं। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना रानौत को जिस महिला कुलविन्दर कौर ने थप्पड़ मारा था, उसके समर्थन में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। कंगना रानौत को थप्पड़ मारने की घटना से यह विस्फोटक खुलासा हुआ कि केन्द्रीय सुरक्षा बलों में भी पंजाब के अलगाववादियों की घुसपैठ है। केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसी में तैनात जवान ने सरकार के खिलाफ हुए किसानों के प्रदर्शन और धरने में हिस्सा लिया था और केन्द्रीय सुरक्षा बलों की गुप्तचर एजेंसी को उसका पता ही नहीं चला। यह देश के लिए बहुत ही गंभीरता की बात है। जम्मू कश्मीर और पंजाब के बाद तीसरा प्रदेश है तमिलनाडु, वहां भी अलगाववाद सिर उठा रहा है। चुनावों से पहले ही तमिलनाडु से अलगाववाद की आवाज उठी थी। दक्षिणी राज्यों को भारत से अलग करने की आवाज भी उठी, जिसे द्रमुक के बड़े नेता भी उठा रहे थे। अपनी अलगाववादी आवाजों के कारण द्रमुक बहुत मजबूत हो चुकी है। जिसकी झलक लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखाई दी है। चुनाव के बाद भी एक घटना ऐसी हो गई है कि जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। तमिलनाडु के एक संगठन फादर पेरियार द्रविड़ कषगम ने कंगना रानौत को थप्पड़ मारने वाली कुलविन्दर कौर को सोने की अंगूठी से सम्मानित करने का फैसला किया है। तमिलनाडु की यह संस्था अलगाववाद की आवाज उठाती रही है। यह संस्था दलितों और अल्पसंख्यकों को हिन्दुओं और भारत के खिलाफ खड़ा करने का कोई मौका नहीं चूकती। फिल्म इंडस्ट्री में पनप रहे अलगाववादियों पर निगाह रखना भी जरूरी हो गया है। संगीतकार विशाल ददलानी ने कहा है कि कंगना को थप्पड़ मारने वाली कुलविन्दर कौर को अगर सरकारी नौकरी से निकाला जाता है, तो वह उसकी नौकरी का इंतजाम करेगा। विशाल ददलानी आम आदमी पार्टी की टोपी पहन चुका है। वह शाहीन बाग के धरने में बैठ चुका है। किसान आन्दोलन में हिस्सा ले चुका है। नरेंद्र मोदी की तुलना नार्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग से करता है। फिल्म इंडस्ट्री में कितने लोग पाकिस्तान की साजिश का मोहरा बने हुए हैं, उसका इतिहास भरा पड़ा है। हाल ही के सालों के दो उदाहरण गौर करने लायक हैं। पहला उदाहरण मुम्बई पर हुए आतंकी हमले का है। पाकिस्तान समर्थक बुद्धिजीवियों ने 26/11 के आतंकी हमले को आरएसएस की साजिश बताने की कोशिश की थी। एक पत्रकार अजीज बर्नी ने एक किताब लिखी थी- आरएसएस की साजिश 26/11। इस किताब के विमोचन में कांग्रेस महासचिव दिग्विजय सिंह के साथ फिल्म निर्देशक महेश भट्ट भी शामिल थे। जबकि बाद में जांच में पता चला कि महेश भट्ट का बेटा ही डेविड हेडली को उन सभी जगहों पर लेकर गया था, जहां की रेकी करके हेडली ने पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को कहां कहां हमला करना है, इसकी पूरी जानकारी दी थी। किसान आन्दोलन के दौरान फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए दीप संधू ने लाल किले पर खालिस्तान का झंडा लगा दिया था। दीप संधू की एक एक्सीडेंट में मौत के बाद खालिस्तानी अमृतपाल सिंह उसी वारिस पंजाब दे संस्था का मुखिया है।

क्या आतंकियों की 'काफिर-कुफ्र' की लड़ाई ऐसे ही जारी रहेगी

बलबीर पुंज

शिवखोड़ी मंदिर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही बस पर हमला उस वक्त किया गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली में अपने तीसरे कार्यकाल की शपथ लेने वाले थे। स्पष्ट है कि जिहादियों की इस कायराना हरकत का उद्देश्य सिर्फ निहत्थे हिन्दुओं पर हमला ही करना नहीं था बल्कि वे उस सकारात्मक परिवर्तन को भी चुनौती देना चाहते थे, जो शेष भारत धारा 370, 35ए के संवैधानिक क्षरण के बाद जम्मू-कश्मीर में महसूस कर रहा है। हालिया आतंकी हमले के संदर्भ में तीन बातें गौर करने लायक हैं। पहली- पाकिस्तान और उसके समर्थित आतंकवादियों की काफिर-कुफ्र की लड़ाई ऐसे ही जारी रहेगी। दूसरी-भारत-विरोधी शक्तियां जम्मू-कश्मीर में आमूल-चूल विकास, परिवर्तन के साथ लोकतंत्र की बहाली से बौखलाई हुई हैं। अगस्त 2019 के बाद इस क्षेत्र में आतंकवादी, अलगाववादी और पत्थरबाजी की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। यह इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि नफरत की फसल को पाकिस्तान से मजहबी खाद-पानी नहीं मिल रहा है। तीसरी- जिहादियों के लिए प्रत्येक हिन्दू काफिर है, चाहे वह दलित हो, सवर्ण हो, पिछड़ा हो या आदिवासी। इसलिए जब सेना की वर्दी में आए आतंकवादियों ने रियासी में हिन्दू तीर्थयात्रियों से भरी बस पर धड़ाधड़ गोलियां बरसाईं, तब वे किसी भी श्रद्धालु की जातिगत पहचान या फिर उनकी माली हालत के बारे में नहीं जानना चाहते थे। रियासी में जिहादी हमले के समय मैं परिवार के साथ कश्मीर में था। यहां हुई प्रगति, अन्य विकास कार्य और वादी में तुलनात्मक अमन तारीफ के काबिल है। श्रीनगर की रौनक देखते ही बनती है। बाजार गुलजार हैं। जिहादी उपक्रम के बाद वर्षों पहले घाटी छोड़कर गए कश्मीरी पंडित काफी बड़ी संख्या में वापस लौट चुके हैं। तीन दशक से अधिक के लम्बे फासले के बाद नए-पुराने सिनेमाघर भी संचालित हो रहे हैं। मुझे कहने में कोई संकोच नहीं कि इस परिवर्तन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस केन्द्र शासित प्रदेश के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी बहुत उपयोगी और महती भूमिका निभाई है। इस बदलाव से देश का स्वघोषित सैकुलर वर्ग हक्का-बक्का है। रियासी आतंकवादी घटना पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कहना है, यह कोई हैरानी की बात नहीं है कि आतंकी हमला हुआ है। इस बंदूक को खामोश करने के लिए एक बातचीत का माहौल बनाना होगा और इसके लिए दोनों देशों को भूमिका निभानी होगी। क्या उमर को सच में लगता है कि पाकिस्तान से बात करके कश्मीर में आतंकवाद का खात्मा हो सकता है, क्या यह सच नहीं कि वर्ष 1963 से लेकर 2021 तक भारत सरकार द्वारा कश्मीर पर घाटी के अलगाववादियों के साथ राजनीतिक पक्षकारों से पांच बार वार्ता हो चुकी है। क्या किसी भी सरकार का उन लोगों से बात करना मुनासिब है, जो सिर्फ गोली की भाषा बोलते हैं और समझते हैं। 25 जनवरी 1990 को भारतीय वायुसेना के चार जवानों की सरेआम हत्या करने वाले यासीन मलिक को वर्ष 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने वार्ता के लिए दिल्ली बुलाया था। क्या इससे कश्मीर की तत्कालीन संकटमयी स्थिति में कोई सुधार आया। जिस कश्मीर में वर्ष 2019 से पहले भारतीय सेना के जवान भी स्वयं को सुरक्षित नहीं मानते थे, वहां आज साधारण नागरिक महफूज महसूस करते हैं। यह बदलाव किसी वार्ता के कारण नहीं बल्कि 'गोली का जवाब गोली से देने' की नीति का नतीजा है। सच तो यह है कि उमर अब्दुल्ला को घाटी में अमन-चैन से कोई सरोकार नहीं है। वे अप्रत्यक्ष रूप से उस विभाजनकारी और संकीर्ण राजनीति को न्यायोचित ठहराने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत उनके घोर सांप्रदायिक दादा शेख अब्दुल्ला ने 1931 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से वापस घाटी लौटकर की थी। यूं तो कश्मीर 14वीं शताब्दी से जिहादी दंश झेल रहा है परंतु बात यदि स्वतंत्रता के बाद की करें तो घाटी के निर्णायक इस्लामीकरण की शुरुआत 1948 में हुई थी। तब पंडित नेहरू अपनी व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जम्मू-कश्मीर के सैकुलर महाराजा हरिसिंह को कश्मीर से अपदस्थ कर मुम्बई में रहने को मजबूर कर चुके थे, जहां 1961 में उन्होंने अंतिम सांस ली।

हर साल अधिक गरम होती गरमी से बचने की कवायद

गरमियों में तापमान का 47 डिग्री या इससे पार चले जाना अब सामान्य हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तो पिछले दिनों गरमी 53 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गई थी। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में होने के कारण भारत में इस समय गरमी रहती ही है, लेकिन जलवायु संकट की वजह से पिछले डेढ़ दशक में कई बार तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ा है। लंबे समय तक तापमान अधिक रहने से हीटवेव, यानी अत्यधिक गरमी की स्थिति बन जाती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत के कई हिस्से अब हर साल हीटवेव से झुलसने लगे हैं। ग्रीनहाउस गैस के बढ़ते उत्सर्जन के कारण पिछले करीब 200 वर्षों में 10 सबसे गरम साल 2014 से 2023 तक के वर्ष ही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह प्रवृत्ति आगे भी बनी रह सकती है और हम साल दर साल इसी तरह या इससे अधिक गरमी झेलने को मजबूर होंगे। भारत में किए गए कई अध्ययनों ने बताए हैं कि जलवायु संकट का देश पर किस कदर प्रभाव पड़ रहा है। चरम मौसमी परिस्थितियों की तीव्रता और आने की दर पिछले कुछ दशकों में बढ़ी है। एनर्जी ऐंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) ने पिछले पांच दशकों के जलवायु पैटर्न को जांचने के लिए एक अध्ययन किया, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखती है। चंद इलाकों को छोड़ दें, तो कमोबेश पूरे देश में अधिकतम तापमान में तेज बढ़ोतरी हो रही है। यह वृद्धि प्रति दशक 0.1 डिग्री सेल्सियस से लेकर 0.4 डिग्री सेल्सियस तक है। देश के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में सबसे तेज बढ़ोतरी (एक दशक में 0.3 डिग्री सेल्सियस) हुई है, जबकि पूर्वोत्तर में गरम दिनों की संख्या (सालाना 10-15 दिन) बढ़ी है। पश्चिमी तट में भी गरम दिनों की संख्या अधिक हुई है, हर साल पांच से दस दिन। जलवायु संकट गहराने के साथ आने वाले दशकों में अधिकतम तापमान और गरम दिनों की संख्या में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी ही होगी। राजस्थान के पश्चिमी हिस्से और लद्दाख में अधिकतम तापमान में तेज वृद्धि की आशंका है, जो साल 2055 तक 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकती है। जहां तक गरम दिनों की बात है, तो ग्रीष्म ऋतु में चार से 40 दिनों तक तेज गरमी के दिन बढ़ सकते हैं। इसमें राजस्थान के पश्चिमी हिस्से, गुजरात का पश्चिमी भाग और पश्चिमी तट भी शामिल हैं, जहां 25-30 दिनों तक गरम दिनों में वृद्धि हो सकती है। तापमान के सामान्य मौसमी परिस्थितियों से लगातार अधिक बने रहने से हीटवेव पैदा होती है, जो हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। कई बार तो लोगों तो एहसास तक नहीं होता कि वे किस खतरे के बीच अपना दिन गुजार रहे हैं। हीटवेव के कारण हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन हो सकता है और कुछ मामलों में जान भी जा सकती है। इसके अलावा, अत्यधिक गरमी से उत्पादकता पर भी असर पड़ता है। समय बीतने के साथ ये परिस्थितियां बढ़ती ही जाएंगी, इसलिए इस पर पर्याप्त ध्यान देने की दरकार है। जलवायु संकट के कारण यदा-कदा होने वाली अत्यधिक गरमी का दौर सामान्य, लंबा और अधिक गंभीर होता जा रहा है। स्पष्ट है, मौसम पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। मौसम विभाग की चेतावनियों को भी व्यापक तौर पर प्रसारित करने की जरूरत है, जो न सिर्फ आम लोगों को समझ में आए, बल्कि वे उन पर अमल भी कर सकें। कुछ आसान उपाय तो हमारे सामने हैं, ज्यादा भीड़-भाड़ वाली जगहों से परहेज करना, शरीर में पानी की कमी न होने देना आदि। दूरगामी कदमों के तहत चेतावनी प्रसारित करने वाली संचार सुविधाओं में सुधार, इमारतों का मौसम-अनुकूल निर्माण, शहरी नियोजन व भू-निर्माण को अपनाने जैसे काम किए जा सकते हैं। हरित छत की अवधारणा पर भी काम किया जा सकता है।

पाक संसद में गूंजा भारत में सफल और निष्पक्ष लोकसभा चुनाव, विपक्ष ने कहा हम वैसा चुनाव क्यों नहीं करा सकें

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-6-8

वृषभ : [illegible] शुभांक-4-5-6

मिथुन : [illegible] शुभांक-2-4-5

कर्क : [illegible] शुभांक-3-6-9

सिंह : [illegible] शुभांक-2-4-6

कन्या : [illegible] शुभांक-7-8-9

तुला : [illegible] शुभांक-6-8-9

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-5-6-9

धनु : [illegible] शुभांक-5-7-8

मकर : [illegible] शुभांक-4-6-7

कुंभ : [illegible] शुभांक-3-5-7

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5267

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5266

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5267

संकेत: बाएं से दाएं

1. आज के दिन इस मशहूर नमस्ते गायक का जन्म हुआ (3)
6. फूलों में गुंथा हुआ हार, वेणी (4)
7. अलंकृत, पूरा माप (3)
10. काम लगी, लागि (4)
12. विश्वास कुमार देव ने इस भारतीय राज्य के दसवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली (3)
14. भारतवर्ष, हिंदुस्तान (2)
15. चोटी, चूंडी, पक्षी का ऊपरी हिस्सा (2)
16. जम्मू-कश्मीर का श्रीनगर शहर इस नदी के किनारे बसा है (3)
18. फैलाने का भाव (3)
20. यह पक्षी केवल हिंदुस्तान में पाया जाता है (2)
22. विवाह होने के पूर्व कुमारी अवस्था में उत्पन्न पुत्र (3)
23. भारी उपाय, अगल-बगल (4)

ऊपर से नीचे

1. एक प्रकार का परिधान, वस्त्र, अंगरखा (4)
2. दुर्ग, गढ़, फोर्ट (2)
3. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
4. चौकी, पहरेदार, संतरी, सेना का (3)
5. चोरी करने के लिए दीवार में बनाया गया छेद (3)
8. यह अमिताभ अभिनीत पहला फिल्म थी, निर्देशक थे के.ए.अब्बास (6)
9. शत्रु, दुश्मन (2)
11. ऊंचाई (सिर्फ प्राणियों के लिए) (2)
12. कल, आज और कल, सर्वकाल (3)
13. निश्चित संख्या, समूह, गुहदल (2)
16. सहना, बर्दाश्त करना, किसी फेंकी हुई वस्तु को लपकना (3)
17. इस वृक्ष के छोटे-छोटे फलों से मदिरा निर्माण होता है (3)
18. कमरा (3)
19. भावन पथ, दौड़पथ (3)
21. माह, महीना, तीस दिनों का समय (2)

वर्ग पहेली 5266 का हल

क	रा		स	भी	र		घा
ब	ग	ल	गी	र		ना	टा
ल	र	ज	ना		आ	मा	
		वा		वा		सी	ह
ब	सा	ना		म		ह	ल
	हि		प	ह	ल		ना
स	र	ह	र	सा		फा	
खल		ता	रा		आ	ग	रा

आधार केंद्रों पर आम नागरिक हो रहे परेशान-गुर्जर

जिला कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को व्यवस्था सुधारने के लिए कराया अवगत

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर के आधार केंद्रों पर लगातार नागरिकों को परेशानियों और अवस्थाओं का सामना करना पड रहा है। आधार केंद्रों पर दस्तावेजों के नाम अलग अलग जानकारी अलग अलग केंद्रों पर देकर लोगो को परेशान ओर गुमराह किया जा रहा है जिससे लोगो को एक ही काम के लिए बार बार आधार केंद्रों के चक्कर लगाने पड रहे हैं आधार केंद्रों पर कोई भी सही जानकारी किसी कार्य के लिए नागरिकों को देने को तैयार नहीं होता है बल्कि लोगो को यहां से वहां भटकने के लिए मजबूर करते रहते हैं जिससे आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड रहा है। यह बात

पूर्व पार्षद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा किसान मोर्चा विजय गुर्जर ने मंदसौर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को अवगत कराते हुवे कही हैं।

आगे विजय गुर्जर ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड सरकार का महत्वपूर्ण बोर्ड सरकारी उपक्रम है इसी बोर्ड से दसवीं की मार्कशीट प्रदान की जाती है और कोई भी सरकारी नौकरी में नियुक्ति होने पर दसवीं की मार्कशीट को महत्वपूर्ण माना जाता है इसी को प्रमाणित दस्तावेज मानकर इसी आधार पर नियुक्ति देकर सर्विस बुक में इसी मार्कशीट के आधार पर जन्मतिथि दर्ज की जाती है लेकिन आधार केंद्रों पर महिला पुरुषों को इस दस्तावेज को नहीं मानकर यह कहकर भ्रमित किया जाता है कि अन्य दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र भी अनिवार्य है जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए यहां स्थिति स्पष्ट किए जाने की आवश्यकता है। श्री गुर्जर ने बताया कोई भी लडकी अपने पिता के घर में रहकर ही पढती है इसलिए 10वी की अंकसूची में पिता का नाम ही दर्ज होता है। विवाह होने के बाद पति का नाम उसके साथ जुड़ जाता है ऐसी स्थिति में भी आधार केंद्रों पर यह कहकर परेशान किया जाता है कि इसमें पति का नाम आ रहा है और उसमें पिता का नाम आ रहा है इस तरह की अनेक विसंगतियों को दूर किये जाने की अति आवश्यकता है ताकि नागरिकों को आधार केंद्रों पर भटकने और परेशान होने से राहत मिल सके। अंत में विजय गुर्जर ने कलेक्टर दिलीप कुमार यादव को अवगत कराते हुए कहा है कि आधार केंद्रों पर हो रही अवस्था को सुधारने हेतु तत्काल निर्देशित करें साथ ही आधार केंद्रों पर दस्तावेज संबंधी जानकारी स्पष्ट रूप से बोर्ड पर लगाने के निर्देश जारी करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नपा द्वारा संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा शनिवार को नपा सभागृह में जल संवर्धन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। म.प्र. शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निर्देशानुसार 5 जून से 16 जून तक चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में देवास जिले के डॉ. सुनील चतुर्वेदी जिन्होनें मालवा के कई जिलों में जल संवर्धन के लिये कार्य किया है वे पधारे और उन्होंने जल संवर्धन के लिये क्या-क्या प्रयास किया जा सकता है इस विषय पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपालसिंह सिसौदिया, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, भाजपा जिला मंत्री श्रीमती प्रीति रोखले, भाजपा मंदसौर उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत भी शामिल हुए। इन सभी का नपा परिषद की ओर से स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, जलकार्य समिति सभापति निलेश जैन, नपा सभापतिगण रमेश ग्वाला, सत्यनारायण भांभी, दीपमाला रामेश्वर मकवाना, कौशल्या प्रहलाद बंधवार, निर्मला नरेश चंदवानी, पार्षदगण गोवर्धन कुमावत, सुनीता भावसार, गरिमा भाटी, माया भावसार, कमलेश सिसौदिया, दीपक गाजवा, बब्बु भाई खानपुरा, आशीष गौड, सुनीता गुजरिया, संजय गोयल, राकेश भावसार, खेरून बी शेहजाद पटेल, साबिर हुसैन, प्रीतम पंचोली, शैलेन्द्र गोस्वामी, रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, सांसद प्रतिनिधि कपिल भण्डारी, सार्थक संस्था प्रमुख डॉ. उर्मिलासिंह तोमर ने किया। कार्यक्रम में नपा परिषद के द्वारा जलप्रदाय शाखा के 50 कर्मचारी जो प्रतिदिन विभिन्न वार्डो में जलप्रदाय व्यवस्था का कार्य देखते हे उन सभी मैदानी कर्मचारियों का माला पहनाकर व प्रमाण पत्र भेंटकर सम्मान किया। इस कार्यक्रम में आयोजन में सार्थक संस्था एवं मंदसौर की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह, सार्थक संस्था प्रमुख डॉ. उर्मिलासिंह तोमर, सामाजिक संस्थाओं से कपिल भण्डारी, संजय जैन श्वेता, वृतिका पारिख, करण परिहार, राजाराम तंवर, अजीजुल्लाह खान, वंदना भावसार, तुलसी खत्री, बंशीलाल टांक, रविन्द्र पाण्डेय, जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, सुरेश भावसार, डॉ. मजहर हुसैन, नंदलाल गुजरिया, राजनारायण लाड, विजयसिंह पुरावत, राजेश गुर्जर, चंदा डांगी, सत्येन्दसिंह सोम आदि कई गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता डॉ. सुनील चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि पृथ्वी पर बाड व सुखा दोनों समस्याये है ये दोनों समस्याये अलग-अलग नहीं बल्कि जुडी हुई है यदि इसका समाधान करना है तो हम सभी को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना पड़ेगा। हमारे मालवा क्षेत्र में भूमिगत जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है क्योंकि हम भूमिगत जल का दोहन ज्यादा कर रहे है। जितना जल हम भूमि से ले रहे है उसे उतना जल लौटा नहीं रहे है। इसके कारण जल स्तर मालवा के कई क्षेत्रों में 800 से लेकर 1200 फिट तक भी नीचे चला गया हैं आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन व पानी के संकट से जूझ रहा है। विश्व के 17 देश इस संकट से जूझ रहे है और हमारा देश भारत भी शामिल है। पुराने समय में जब ट्यूबवेल खनन नहीं होता था तब 10-12 फुट पर कुओं पर पानी उपलब्ध था लेकिन 1980 के बाद स्थिति बदली है। 30-40 वर्षों में भूमिगत जल स्तर तेजी से नीचे गया है। आज पानी की कमी की तो समस्या है साथ में पानी की गुणवत्ता की समस्या भी सामने आने लगी ळै। हमें भूमिगत जल का दोहन कम करना पड़ेगा। इसके साथ ही हमें वाटर हार्वेस्टिक सिस्टम को भी अपनाना पड़ेगा। नपा परिषद इस दिशा में कार्य करके भूमिगत जल स्त्रोत को बड़ा सकती है इसके लिये छत के पानी को ट्यूबवेल में डालने के काम को आगे बढ़ाना पड़ेगा। यदि ट्यूबवेल नहीं है तो सुखता गड्डा भी जलस्त्रोत को बड़ा सकता है। संगोष्ठी में श्रीकांत उपाध्याय ने भी अपने विचार रखे तथा परिषद के द्वारा जलसंवर्धन के लिये किये जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. सुनील चतुर्वेदी को न पा परिषद की ओर से स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद व भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर पूरे प्रदेशवासियों को जल संवर्धन करने की जो प्रेरणा दी है वह सराहनीय है। मंदसौर नपा परिषद भी 5 से 15 जून तक इस अभियान के अंतर्गत कई कुओं, बावड़ियों की सफाई का कार्य कर चुकी है। परिषद के सभी जनप्रतिनिधि इसके लिये बधाई के पात्र है। हम प्रकृति का संरक्षण करेंगे तो प्रकृति हमारा संरक्षण करेगी। इसलिये प्रकृति का पोषण करें उसका शोषण नहीं। वर्षा ऋतु में हम अपने घरों की छतों से निकलने वाले पानी को वाटर हार्वेस्टिंग तकनीकी से पुन: भूमि में पहुंचाने का कार्य करेंगे तो इससे भूमिगत जल स्तर अवश्य ही बडेगा। हम पानी की एक एक बुंद का महत्व समझेंगे तभी हम उसके संरक्षण पर कार्य कर पायेंगे। आपने कहा कि उज्वला योजना के प्रारंभ होने के बाद पेड़ो की कटाई कम हुई है पेड़ की कटाई होने से गांव खेत खलिहान हरे भरे हुए है।

विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि जल है तो कल है। हम सभी पानी का महत्व समझे और इसके संरक्षण की चिंता करें। इसके लिये हम अपने छोटे-छोटे प्रयास करके भी इस दिशा में काम कर सकते है। पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया ने कहा कि नपा परिषद ने जल संवर्धन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन करके सराहनीय कार्य किया है। आपने इस मौके पर अपने नपाध्यक्षीय कार्यकाल में जब कम वर्षा हुई थी तब स्थानीय जल प्रबंधन व्यवस्था आदि के अनुभवों से सभी को अवगत कराया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान पर भी अपनी बात कही। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि नगरपालिका ने इस अभियान के अंतर्गत कई कुओं बावड़ियों की सफाई कराई है। हमें इन सभी कुओं व बावड़ियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला ने अतिथि परिचय देते हुए डॉ. सुनील चतुर्वेदी के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन जलकार्य सभापति निलेश जैन ने किया।

प्रवेशोत्सव में अभिभावकों को आंमत्रण के लिए शिक्षकों ने बांटे पीले चांवल

नीमच, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में स्कूल चले हम अभियान के तहत प्रवेशोत्सव के पूर्व जिले की समस्त शासकीय शालाओं में 18 जून 2024 को मनाये जाने वाले प्रवेशोत्सव के लिए शिक्षकों द्वारा प्रात: 7.00 बजे से 11.00 बजे तक गृह संपर्क कर, पीले चावल प्रदान कर, अभिभावकों को आमंत्रण दिया गया। प्रवेशोत्सव में बालकों के साथ अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही शाला त्यागी एवं नवप्रवेशी बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ने हेतु अभिभावको को प्रेरित किया गया। प्रवेशोत्सव हेतु समस्त शालाओं में शिक्षकों द्वारा विद्यालय की साफ-सफाई करवाई गई।

विधायक मारू ने ढ़ढेरी में सामुदायिक डोम निर्माण का भूमि पूजन किया

नीमच, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के विधानसभा क्षेत्र मनासा के विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने ग्राम ढंढेरी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को ईडर नदी जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया और गांव में स्थित प्राचीन बावडी के साफ-सफाई कार्य के साथ पौधारोपण एवं प्रस्तावित सामुदायिक डोम निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। इस मौके पर एसडीएम श्री पवन बारिया एवं अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

एमपी के 11 घरों में मिले 150 से अधिक गौवंश के अवशेष, आरोपियों के घरों को किया जमींदोज

नैनपुर, 15 जून। एमपी के मंडला स्थित ग्राम भैंसवाही नैनपुर में देर रात पुलिस ने 11 घरों में दबिश देकर 150 से ज्यादा गौवंश के अवशेष बरामद किए है। पुलिस की कार्रवाई से गांव में अफरातफरी व भगदड मच गई। इस बीच पुलिस ने एक आरोपी को तो गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य आरोपी भागने में सफल रहे। इस घटनाक्रम के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों के अवैध निर्माण को जमींदोज कर दिया। वहीं आठ आरोपियों को घरों को भी जमींदोज किया जाएगा। कार्रवाई के वक्त मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस संबंध में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भैंसवाही गांव में गौवंश काटे जाने की खबर मिल रही थी। जिसके चलते पुलिस की टीम ने घरों पर दबिश दी। पुलिस की दबिश से गांव में भगदड मच गई, यहां तक कि आरोपी गांव छोड़कर भाग गए। पुलिस ने 11 घरों की तलाशी लेते हुए 150 से ज्यादा मवेशियों के अवशेष बरामद किए, जिसमें हड्डी, मांस से लेकर चर्बी तक मिली है। देर रात दी गई दबिश के बाद गांव में हड़कम्प मचा रहा। पुलिस ने इस दौरान एक आरोपी को

हिरासत में ले लिया। वहीं अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। इस घटनाक्रम के बाद आज जिला प्रशासन व पुलिस की टीम ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाए गए मकानों को जमींदोज करने की कार्यवाही शुरु कर दी है। आज तीन घरों को ध्वस्त किया गया है, वहीं अन्य आठ घरों पर भी जमींदोज किया जाएगा। घटनाक्रम को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि गांव में अवैध कत्लखाने चलाए जाने की खबर मिल रही थी, जिसके चलते दबिश दी गई तो घरों से मवेशियों का मांस मिला है।

सहायक जैल अधीक्षक एवं जैल प्रहरी के पदों हेतु शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा सहायक जैल अधीक्षक एवं जैल प्रहरी भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 25 मई 2023 से 20 जून 2023 तक परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसका परीक्षा परिणाम 14 मार्च, 2024 को घोषित किया गया है। सहायक जैल अधीक्षक एवं जैल प्रहरी के पदों हेतु सफल अभ्यर्थियों के द्वितीय चरण की परीक्षा जिसमें शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट होगा, जेल विभाग स्वयं लेगा। प्रथम चरण में चयनित उम्मीदवारों का शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट मोतीलाल नेहरू, पुलिस स्टेडियम, भोपाल में दिनांक 02 जुलाई, 2024 से 07 जुलाई, 2024 तक आयोजित किया जाएगा, जिस्का विस्तृत विवरण मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल की वेबसाइट www.esb.mp.gov.in पर उपलब्ध है। सफल अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध प्रपत्रों को निकालकर नियत तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों एवं जानकारी सहित शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट हेतु उपस्थित हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि सहायक जैल अधीक्षक के 33 पद एवं जैल प्रहरी के 200 पदों हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा क्रमश: 414 एवं 2264 अभ्यर्थियों को द्वितीय चरण हेतु पात्र पाया गया है। जिनका द्वितीय चरण में शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट लिया जाना है। शारीरिक नापजोख एवं प्रवीणता टेस्ट में योग्य पाए जाने वाले अभ्यर्थियों में से मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल अंतिम चयन सूची जारी करेगा। जिन्हें जैल विभाग द्वारा प्रहरी के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियानः कालाखेत स्थित बावड़ी में लगातार जारी है सफाई अभियान

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान में नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ियों तथा अन्य जल स्त्रोतो के जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिये 16 जून तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत सातलखेडी में लगातार जन सहयोग के माध्य म से सफाई की जा रही है। जीवन के लिए जल जरूरी है और जल संरक्षण के लिए वृक्ष जरूरी है, इसलिए प्रत्येक दिवस एक वृक्ष जरुर लगाएं। जल स्त्रोतों के जल संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। संतान को जन्म से और नदियों को उद्गम से संभालने पर

ही इनका भविष्य उज्ववल होगा।

हम सभी को जल स्त्रोतों को संरक्षित एवं संवर्धन करने का कार्य करना चाहिए। जिससे हम हमारी भावी पीढ़ी को जीवन जीने की कार्यशैली सिखा सकें और हमारे पशु-पक्षी भी सुरक्षित रह सकें। हम सभी को वृक्ष लगाने का कार्य करना चाहिए किंतु पौधा रोपण वही करें जहां पानी हो, इससे हमारा पानी भी बचेगा और हमारे वृक्ष भी बड़े होंगे इसलिए पौधा रोपण स्थान और जगह देखकर ही करें। हम दिन- रात जिस तरीके से प्रकृति का दोहन कर रहे हैं, यह हम सबके लिए खतरनाक है। यदि हम अच्छा काम करेंगे, तो उसका लाभ हमारे बच्चों को मिलेगा। हम क्या करना चाहते हैं यह हमें तय करना पडेगा। सुरक्षित भविष्य के लिए धार्मिक महत्व की जल-संरचनाओं जैसे नदी, तालाब, बावडी, कुओं की साफ-सफाई के कार्य में श्रमदान कर सहयोग किया जा रहा है। स्थानीय जन-समूहों में गंगा दशहरा के पर्व को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। समाज के सभी वर्ग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। बुजुर्ग लोग युवा पीढ़ी को जल-संरचनाओं का महत्व समझाकर सहयोग दे रहे हैं। सफाई अभियान के उपरांत अल्प संख्यक ग्रामीण मंण्डल अध्यक्ष लाला भाई अजेरी, नवांकुर समिति बाजखेडी अध्यक्ष बानोबी, सचिव मंजु भावसरा, पारेश्वर ग्राम विकास समिति अध्यक्ष रतनलाल चौहान, प्रियदर्शन संस्था अध्यक्ष दिनेश सोलंकी, हरी आम उपस्थित थे। इस दौरान सभी स्यंमसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने बावडी घाट क्षेत्र में सफ़ाई की शपथ दिलाई।

नपाध्यक्ष ने कुएं बावड़ियों की सफाई कार्य का किया निरीक्षण

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। शनिवार के नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने म.प्र. शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निर्देशानुसार 6 से 16 जून तक चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किये जा रहे कुएं-बावड़ियों के सफाई कार्य का निरीक्षण किया। श्रीमती गुर्जर ने वार्ड नं. 6 के दशरथ नगर पानी की टंकी परिसर में स्थित कुएं व तलेरा विहार कॉलोनी में कुएं का निरीक्षण किया और दोनों कुओं की सफाई करने के निर्देश भी दिये। तलेरा विहार कॉलोनी के कुएं में जाली नहीं होने के कारण उसकी जाली बनाने व अन्य आवश्यक कार्य करने के भी निर्देश दिये। इस अवसर पर जल कार्य सभापति निलेश जैन, निर्मला चंदवानी, शा.महाविद्यालय जन भागीदारी समिति अध्यक्ष नरेश चंदवानी, पार्षद सुनीता भावसार, आशीष गौड, योग गुरू सुरेन्द जैन, बीसा पोरवाल सोश्यल ग्रुप केअध्यक्ष नीतिन जैन भावगढवाला, सीएमओ सुधीरकुमार सिंह, नपा उपयंत्री शाहिद मिर्जा, क्षेत्रीय नागरिकयशवंतसिंह सौलंकी, कैलाश जोशी, पिंकेश बख्शी, अनिल धींग, संगीता जैन, ममता जेतावत, सीमा कोठारी, बरखा जैन, निधि खमेसरा, रेखा जेतावत भी उपस्थित थे।

दो पक्षों में मारपीट, 5 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। मानता कार्यक्रम में हुए विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद पुलिस ने पांच आरोपियों पर क्रास प्रकरण दर्ज किया। कचनारा निवासी जानीबाई पति परसराम बागरी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि गत् दिनों मानता के कार्यक्रम में अंतरसिंह पिता मनोहरसिंह बागरी व उसके पिता मनोहरसिंह पिता मनिया बागरी ने मेरे पति परसराम से विवाद किया था। इसी बात को लेकर दोनों मेरे घर आए, बोले परशराम कहां है, और गालियां देने लगे। गाली देने से मना किया तो दोनों ने लट्ठ व लात-घुसों से पीटा, जिससे चोंट आई। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया। इसी तरह कंवरलाल पिता मानसिंह बागरी ने मैं मजदूरी करके घर आया तो श्याम पता परसराम बागरी, उसके पिता परसराम पिता दलपत बागरी व मां जानीबाई बागरी ने गालनी-गलौज की व मारपीट कर पत्थर फेंके। जिससे मुझे चोंट आई। मेरी बेटी राधाबाई बचाने आई तो उसको भी चोंट आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।फ

जल संवर्धन अभियान के तहत तालाब गहरीकरण कर किया श्रमदान

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम देहरी में जन सहयोग से तालाब गहरीकरण के कार्य किया गया। तालाब गहरीकरण 16 जून तक जन सहयोग से तालाब से मिट्टी निकालकर खेतों में डाली जाएगी। जिससे खेतों में फसल की अच्छी पैदावार होने से किसानों को मुनाफा होगा। साथ ही तालाब गहरीकरण से जल भराव होने पर पानी की कमी दूर होगी आस पास के कुएं भी रिचार्ज होते रहेंगे।

कलेक्टर ने सिंगोली क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यों का किया निरीक्षण

नीमच, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने शनिवार को नीमच जिले के विकासखंड जावद की सिंगोली तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवो का भ्रमण कर, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायतों द्वारा करवायें जा रहे तालाब गहरीकरण, जीर्णोद्धार एवं पौधारोपण की पूर्व तैयारियो का मौके पर अवलोकन कर जायजा लिया।

कलेक्टर श्री जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद ने सिंगोली क्षेत्र के ग्राम उमर में पंचायत द्वारा करवाए जा रहे तालाब गहरीकरण एवं पौधारोपण की तैयारियो का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम परलई में सरोवर निर्माण, ग्राम कछाला में खेत तालाब गहरीकरण, ग्राम नया पुराना में जल संसाधन विभाग के तालाब के

गहरीकरण कार्य एवं सिंगोली में नगर पंचायत द्वारा नदी नालों की साफ-सफाई के कार्य का मौके पर अवलोकन कर जायजा लिया। कलेक्टर श्री जैन ने कहा, कि सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय अपने-अपने क्षेत्र में पौधारोपण करने की सभी तैयारियां अभी से पूरी कर ले और जैसे ही बारिश हो, पौधारोपण का कार्य करवाए। उन्होंने कहा, कि पौधारोपण कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। इस दौरान जावद जनपद सीईओ श्री आकाश धारवे, तहसीलदार श्री मकवाना एवं विभिन्न विभागों के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अलसी की बोरी चोरी करते दो आरोपी सीसीटीवी में कैद, पकड़कर किया पुलिस के सुपुर्द

पिपलियामंडी, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मंडी में व्यापारी की अलसी की बोरी चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। चोरी करने वाले दो आरोपियों को पकडकर पुलिस के सुपुर्द किया। मंडी व्यापारी राकेश पोरवाल ने बताया कि उसकी 9 बोरी अलसी कृषि उपज मंडी शेड में पडी थी। इसमें एक बोरी गायब हो गई। सीसीटीवी देखे तो उसमें प्रहलाद पिता कालूराम मेघवाल व दशरथ नायक बोरी ले जाते हुए दिखे। दोनों को पकडकर पुलिस के सुपुर्द किया। पुलिस ने दोनों पर केस दर्ज किया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिये 31 जुलाई तक करें आवदेन

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रिय बाल पुरस्कार उन बच्चों को दिये जायेगें। जिन्होंने बहादुरी, खेलकूद, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं तकनीकी खेल, पर्यावरण, कला और संस्कृति के क्षेत्र में विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया हो। उक्त पुरस्कार हेतु ऑनलाईन आवेदन https://awards. gov.inपर 31 जुलाई 2024 तक कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये महिला एवं बाल विकास विभाग में सम्पर्क कर सकते है।

स्वदेशी जागरण मंच में दायित्व प्रदान किये, हुई नियुक्तियां

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। स्वदेशी जागरण मंच मंदसौर की बैठक नालछा माता मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। जिसमें स्वदेशी जागरण मंच के विभाग विस्तारक श्री दिलीप व्यास, विभाग संयोजक श्री बाबूलाल नागदा एवं जिला संयोजक श्री अंकुश पालीवाल के द्वारा दायित्वों का गठन किया गया।

जिसमें जिला सहसंयोजक के रूप में श्री दिलीप चौधरी मंदसौर, तहसील सहसंयोजक घनश्याम वर्मा, मंदसौर नगर संयोजक कनिष्क शर्मा, दलौदा

तहसील संयोजक दीपक पोरवाल, सुवासरा तहसील संयोजक धर्मेंद्र जैन को दायित्व प्रदान किया गया। साथ ही बैठक में आगे की कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई । इस बैठक में उपस्थित जिला सहसंयोजक महेंद्र सिंह राजावत, दिलीप चौधरी, तहसील संयोजक अभिजीत मंडलोई, देवेंद्र भारती, कृष्ण पांडे, सतीश बैरागी, घनश्याम वर्मा आदि उपस्थित थे।

करंट बालाजी मंदिर पर साफ-सफाई कर, पौधारोपण किया

नीमच, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शनिवार को नीमच अनुभाग की टीम द्वारा एसडीम श्रीमती प्रीति संघवी की उपस्थिति में जन अभियान परिषद के सहयोग से करंट बालाजी मंदिर में सफाई हेतु श्रमदान किया गया। साथ ही पौधारोपण भी किया गया।

भारतीय संस्कृति की पहचान है गंगा मां

आज माँ गंगा के प्रकटोत्सव पर हम जल संरक्षण का संकल्प ले

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। महाराज भगीरथ को ब्रह्माण्ड की पवित्र नदी माँ गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाने का पुण्य प्राप्त हुआ था पुण्य सलिला, पापमोचिनी

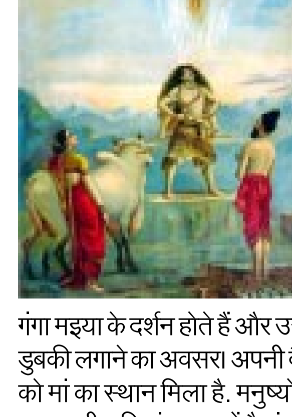

और सदियों से मोक्ष दिलाने वाली गंगा को भगीरथ अपने पूर्वजों के मोक्ष के लिए स्वर्ग से पृथ्वी पर लाए थे। माँ गंगा ने मानव की कई पीढ़ियो का उद्धार कर दिया और यह सब संभव हुआ राजाभगीरथ की कठोर तपस्या से।

माँ गंगा का जन्म भगवान विष्णु के चरणकमलों से हुआ है मां गंगा अपने भयानक वेग के कारण भगवान महादेव की जटाओं में निवास करती हैं। माँ गंगा में स्नान, पूजन और दर्शन करने से मनुष्यों के सभी पापों का नाश होता है और व्याधियों से मुक्ति मिलती है। परम पावनी गंगा मइया की महिमा तो अपरम्पार है। बड़े भाग्य से गंगा मइया के दर्शन होते हैं और उससे भी उत्तम भाग्य हो तो मिलता है उनके जल में डुबकी लगाने का अवसर। अपनी दैवीय शक्तियों और विशाल हृदय के कारण ही गंगा को मां का स्थान मिला है. मनुष्यों के जाने-अनजाने तमाम पापों को नष्टकरने की चमत्कारी शक्ति गंगा जल में है। गंगा जल का रोगाणुरोधी प्रभाव वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार, गंगा जल में बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया को मारने वाले वायरस) होते हैं जिसके कारण गंगा जल में रोगाणुरोधी गुण होते हैं। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला गंगा दशहरा मुख्य रूप से जल संरक्षण का संदेश देने वाला पर्व है। यह जीव के जीवन में जल के महत्व को परिभाषित करता है। लोगों को नदियां, तालाब, पोखर को स्वच्छ और शुद्ध और स्वच्छ रखने की प्रेरणा और गंगा नदी के समान निरंतर कर्म पथ पर बढते रहने की प्रेरणा भी देता है।

रविन्द्र कुमार पाण्डेय, सक्षम मालवा प्रांत सचिव

जावरा में गौकशी का मामला...

दो और आरोपी गिरफ्तार, रासुका लगाई, भैरुगढ़ जैल उज्जैन भेजा

आरोपियों के घर लगे थे सीसीटीवी

रतलाम, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले के जावरा में जागनाथ मंदिर परिसर में गोवंश का कटा सिर फेंकने के पीछे का कारण पुलिस अभी तक तलाश नहीं पाई है। क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस आरोपियो तक पहुंची है। शुक्रवार देर रात पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक कुल चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। पुलिस ने चारों पर रासुका लगाई है एवं आरोपियों को भेरुगढ़ जेल उज्जैन भेजा है।

जावरा शहर में आरोपियों का जूलूस निकाला गया

जावरा के गौकशी कांड में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार तो कर लिया। लेकिन, घटना के पीछे कौन है? इस प्रकार की हरकत करने का क्या मकसद था? आखिर उन्हें किसने उकसाया? इन सवालों के जवाब अनसुलझे है। यहां तक कि जब पुलिस और प्रशासन आरोपियों के मकान तोडने गई, तब एक आरोपी के घर के बाहर सीसीटीवी कैमरे तक लगे मिले। रहा सवाल कि जो आरोपी कुछ नहीं करता है, ऐसे में उसके घर पर सीसीटीवी कैमरे लगे होना कई सवाल खड़े करता है। इस पूरे घटनाक्रम में अब तक चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके है। दो आरोपी शकिर व सलमान को शुक्रवार सुबह पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया था। वहीं देर रात तक पुलिस ने शाहरुख व नौशाद नाम के दो ओर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी सलमान गैरेज पर काम करता है। शाकिर कुछ नहीं करता है। शाहरुख के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इन तीनों के खिलाफ पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। जबकि, आरोपी नौशाद क्रिमिनल है। इसके उपर 28 केस पूर्व से दर्ज है। एक बार जिला बदर भी हो चुका है। सूत्रों की माने तो नौशाद व शाहरुख की गौवंश काटने में भूमिका सामने आ रही है। हालांकि, पुलिस स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं बोल रही है। पुलिस को आशंका है कि सोची समझी साजिश के तहत घटनाक्रम को अंजाम दिया है। सारे एंगल से जांच में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस कप्तान श्री राकेश खाखा ने बताया कि चारों आरोपियों को अभिरक्षा में ले लिया है। चारों के खिलाफ रासुका की कार्रवाई कर भैरुगढ़ जैल उज्जैन भेजा है। जावरा में शांति है। नजर बनाए रखे है।

उज्जैन में मां शिप्रा शुद्धिकरण का संकल्प ले रहा है मूर्तरूप

598 करोड़ की कान्ह डक्ट परियोजना का भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डा. यादव बोले

उज्जैन, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को 598 करोड की कान्ह डक्ट परियोजना का भूमिपूजन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि आज हमारे कई वर्षो की संकल्प मूर्तरूप लेने जा रहा है। हमने सभी सन्तों के साथ यह संकल्प लिया था कि शिप्रा नदी के जल को निर्मल और स्वच्छ बनायेंगे और कान्ह नदी का पानी शिप्रा में मिलने से रोकेंगे। कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना के माध्यम से अब कान्ह का दूषित जल मां शिप्रा के किसी भी तट पर नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा कि कान्ह का पानी गंभीर नदी के निचले किनारे तक पहुंचाया जायेगा, जिसे भी शुद्धिकरण किया जायेगा और आसपास के किसानों को सिंचाई के लिये पानी मिलेगा। 600 करोड रुपये की लागत से आने वाले समय में सेवरखेडी में बैराज निर्मित कर शिप्रा का पानी लिफ्ट कर सिलारखेडी ले जाया जाएगा और वहां से पुन: शिप्रा में छोडा जाएगा। इससे शिप्रा का पानी शिप्रा में ही रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव आज उज्जैन के ग्राम डेंडिया स्थित शनि मन्दिर के पास आयोजित 817 करोड की लागत के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कान्ह परियोजना के अतिरिक्त लगभग 217 करोड के निर्माण कार्यों की भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि 5 हजार करोड की लागत से उज्जैन-जावरा फोरलेन व्हाया नागदा का शीघ्र निर्माण पूरा होगा। वहीं 6 हजार करोड के उज्जैन-इन्दौर सिक्सलेन का शीघ्र भूमिपूजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी पात्रता धारी अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवायें, जिससे उन्हें 5 लाख रुपये तक की नि:शुल्क उपचार का लाभ प्राप्त हो सके। एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से आयुष्मान कार्ड धारी गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को कम समय में मुम्बई, दिल्ली जैसे शहरों पर उपचार हेतु पहुंचाया जाएगा। यह सेवा आयुष्मान कार्ड धारियों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क रहेगी।

उज्जैन और इन्दौर संभाग सहित प्रदेश के सभी देवस्थानों व सभी धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास किया जायेगा। भगवान राम और कृष्ण के समय के ऐतिहासिक क्षणों के साक्षी रहे स्थलों का विकास किया जायेगा। महाकाल लोक में स्थित सप्तऋषियों की प्रतिमाएं जो क्षतिग्रस्त हो गई थी, उन्हें उज्जैन में ही कलाकारों द्वारा ठोस पत्थर से तराशकर निर्मित किया जा रहा है। उन्हें शीघ्र ही महाकाल लोक में पुनर्स्थापित किया जायेगा। महाकाल लोक की सभी प्रतिमाएं पत्थर की लगाई जाएंगी। उज्जैन में प्रतिमाएं बनाने का कारखाना स्थापित किया जाएगा। यहां बनी प्रतिमाएं प्रदेश और देश के कोने-कोने तक पहुंचेंगी। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही पीतल से भी यहां प्रतिमाएं बनाई जायेंगी। पूजा-पाठ सामग्री, भगवान की पोशाक, पूजा के पात्र भी प्रदेश में बनवाकर देश के कोने-कोने में उपलब्ध कराये जायेंगे। कार्यक्रम को जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद अनिल फिरोजिया ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व उज्जैन आगमन पर मुख्यमंत्री ने हेलीपेड के पास पुलिस लाईन के तालाब गहरीकरण कार्य में हिस्सा लेकर श्रमदान किया। उन्होंने सभी को गंगा दशहरा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पाम का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम के पास इंडियन कॉफी हाउस का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने सवा 3 करोड से अधिक लागत की 20 बंदी क्षमता की खुली जेल कॉलोनी भैरवगढ का लोकार्पण किया।

ये है कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना– इंदौर तथा सांवेर के सीवेज युक्त जल को कान्ह नदी के माध्यम से क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकने के लिए जमालपुरा ग्राम के समीप कान्ह नदी पर बैराज का निर्माण करते हुए क्लोज डक्ट के माध्यम से जल का गंभीर नदी में गंभीर बांध के डाउन स्ट्रीम में डायवर्ट किया जायेगा। साथ ही आगामी सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए प्रावधानों के अनुसार जल प्रवाह 40 क्यूसेक जल बहाव क्षमता के रूपांकन कार्य किया गया है। जिसमें इंदौर शहर तथा सांवेर शहरी क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या से आने वाले सीवेज एवं सांवेर जल उद्वहन परियोजना के कमाण्ड क्षेत्र मे होने वाली सिंचाई से जल के रि-जनरेशन, देवास एसटीपी से आने वाले जल को पंप कर कान्ह नदी में छोडते हुए डक्ट के माध्यम से व्यपवर्तित किया जाएगा। उक्त परियोजना में 100 मीटर लम्बाई में एप्रोच चैनल 28.650 कि.मी. लम्बाई में 4.50 मीटर के डी-आकार में भूमिगत बाक्स तथा अंतिम 100 मीटर लम्बाई में ओपन चैनल निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। परियोजना में निर्माण कार्य की समय-सीमा 42 माह रखी गई है, जिसमें 15 वर्षो की संचालन तथा रखरखाव का प्रावधान किया गया है। डक्ट में शुरुआती तथा अंतिम छोर के अतिरिक्त 4 संख्या में पहुंच मार्ग प्रस्तावित हैं, जिसकी चौडाई डक्ट के समान ही 4.5 मी. रखी गई हैं। जिसके माध्यम से डक्ट के अंदर सफाई कार्य जाने हेतु हैवी मशीनरी का भी प्रवेश सुनिश्चित किया जायेगा।

शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का शुभारंभ– मुख्यमंत्री ने उज्जैन के पावन रामघाट पर दो दिवसीय मां शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के शुभारंभ किया। उन्होंने रामघाट पर शिप्रा की पूजा-अर्चना अभिषेक व आरती की और ध्वज का पूजन किया। सन्तजनों की उपस्थिति में रामघाट पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के ध्वज लहराकर परिक्रमा का शुभारंभ किया और संतों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ पैदल चलकर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में भाग लिया। उन्होंने मध्य प्रदेश की नदियों, जल संरचनाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनरुद्धार को समर्पित जलाभिषेक अभियान का उपस्थित जनों और प्रदेशवासियों को संकल्प दिलाकर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का शुभारंभ किया और जनप्रतिनिधियों एवं हजारों श्रद्धालुओं के साथ शिप्रा तीर्थ परिक्रमा में शामिल हुए।

पिता को पीटा, पुत्र सहित 2 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। मकान बंटवारे के विवाद में साले के साथ मिलकर पुत्र ने पिता को पीटा। मिण्डलाखेड़ा निवासी पुष्करलाल चोहान ने पिपलिया पुलिस चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि घर के बंटवारे को लेकर बेटा विक्रम उसके साले बनवारी को लेकर आया, गाली-गलौज कर लट्ठ से मारा, जिससे चोंटे आई। बीच-बचाव करने छोटे बेटे दिलखुश व पत्नी पूजा आई तो उसके साथ भी मारपीट की। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

जमीन विवाद में पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद को लेकर मारपीट के मामले में प्रकरण दर्ज हुआ। नाहरगढ थाने पर कचनारा निवासी पप्पूलाल पिता कन्हैयालाल डांगी ने शिकायत दर्ज कराई कि परिवार का जीवन पिता रायसिंह डांगी बस स्टेण्ड पर मिला और बोला कि तूने झगड़ा करके जमीन क्यों ली। जीवन ने गाली-गलौज की व पत्थर से सिर पर मार दी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने जीवन के खिलाफ केस दर्ज किया।

एक जुलाई से बदली-बदली नजर आएगी पुलिस, 24 हजार टैबलेट खरीदने की तैयारी

भोपाल, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश पुलिस 1 जुलाई से बदली- बदली नजर आएगी। पुराने कानूनों में संशोधन कर केंद्र द्वारा बनाए गए 3 नए कानून एक जुलाई से प्रदेश में भी लागू हो जाएंगे। इन कानूनों में सबसे बड़ा बदलाव यह होगा कि पुलिस का अधिकतर काम डिजिटल होने जा रहा है। साक्ष्य संकलन के लिए हर घटना की वीडियो रिकार्डिंग करनी होगी। यहां तक कि पुलिस आरोपी या शिकायतकर्ता के यहां जाती है तो उसकी भी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। इसके लिए हर जांच अधिकारी को टैबलेट दिए जाएंगे।

24 हजार टैबलेट की खरीदारी– पुलिस मुख्यालय 24 हजार टैबलेट की खरीदारी करने जा रहा है। अभी आवश्यकता होने पर पुलिसकर्मियों को अपने मोबाइल से वीडियो बनाना पड़ता है, लेकिन कानून में प्रावधान नहीं होने के कारण इस तरह के कई साक्ष्य न्यायालय में मान्य नहीं किए जाते थे। बदलाव के अनुरूप क्राइम और क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) में परिवर्तन किया जा रहा है, जिससे एफआईआर दर्ज करने में कोई दिक्कत नहीं आए। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि जांच अधिकारी इन कानूनों के बारे में अच्छे से समझ सकें, इसके लिए सामान्य तौर पर पूछे जाने वाले प्रश्नों की पुस्तिका तैयार कर जांच अधिकारियों को दी गई है। सभी जिलों में इसके लिए मुख्य प्रशिक्षकों को चिह्नित कर पुलिस मुख्यालय ने ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया था। इसके बाद जिला स्तर पर जांच अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। उन्हें बताया जा रहा है कि एफआईआर से लेकर जांच और चालान प्रस्तुत करने तक किन-किन बिंदुओं का ध्यान रखना है।

ये हैं नए कानून– 1 जुलाई 2024 से ब्रिटिश काल से लागू भारतीय दंड संहिता (IPC), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CRPC) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम निष्प्रभावी हो जाएंगे। उनकी जगह नए कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू किए जा रहे हैं। IPC की 511 धाराओं की जगह बीएनएस में 358 धाराएं होंगी।

बीएनएसएस में सीआरपीसी की 177 धाराओं को बदलने के साथ ही 9 नई धाराएं जोडी गई हैं। इसमें अब कुल 531 धाराएं होंगी। भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 166 की जगह 170 धाराएं होंगी। इसी में साक्ष्य संकलन के नए तरीकों को भी जोड़ा गया है।

तहसील रामपुरा अंतर्गत ग्राम राजपुरा के गांधीसागर डूब क्षैत्र में...

अवैध उत्खननकर्ताओं के खिलाफ की कार्यवाही

मनासा, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 15 जुन 2024 शनिवार को नीमच जिला कलेक्टर दिनेश जैन एवं नीमच जिला पुलिस अधिक्षक अंकित जायसवाल एवं अपर कलेक्टर जिला नीमच के दिशा निर्देश अनुसार आज दिनांक 15 जून 2024 को रामपुरा तहसील के ग्राम राजपुरा के गांधीसागर क्षेत्र में अवैध उत्तखनन कि सूचना मिलने पर मनासा अनुविभागीय अधिकारी पवन बारिया द्वारा क्षैत्रिय तहसीलदार रामपुरा मुकेश निगम, तहसीलदार मनासा बालकृष्ण मकवाना, नायब तहसीलदार कुकडेश्वर नविन छलोत्रे, थाना प्रभारी रामपुरा विकास पटेल, खनिज निरीक्षक गजेन्द्र डाबर, राजस्व निरीक्षक रामपुरा, मोजा पटवारी राजपुरा के साथ मौके पर त्वरित कार्यवाही कर सामग्री जब्त कि गई। ग्राम राजपुरा स्थित बेक वाटर क्षैत्र में रेत उत्तखनन करने के 5 इंजन लगे हुए थे तथा 2 रेत के छलने लगे हुए थे। इसी स्थान पर 1 बडा स्टीम्बर तथा 3 ट्रेक्टर को जब्त किया गया। उक्त वाहन एवं सामग्री से अवैध रेत उत्खनन का कार्य किया जा रहा था। 1 बड़ा स्टीम्बर (अधिक वजन व बड़ा आकार होने के कारण) सचिव, ग्राम पंचायत राजपुरा एवं ग्राम कोटवार राजपुरा को सुपुर्दगी में दिये गया तथा 3 ट्रेक्टर, 5 इंजन, 2 रेत के छलने जब्त कर थाना रामपुरा कि सुपुर्दगी में दिये गये।

महेश नवमी पर निकाला चल समारोह, किया अभिषेक

पिपलियामंडी, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। महेश नवमी पर माहेश्वरी समाज द्वारा टीलाखेडा बालाजी मंदिर से बेंड-बाजों व भगवान महेश जी झांकी से साथ चल समारोह निकाला। जिसमे समाजजनों ने भजन-कीर्तन, नृत्य किया। जगह-जगह स्वागत हुआकृषि उपज मंडी व्यापारी संघ के पदाधिकारियों मे पूर्व नप उपाध्यक्ष अशोक फरक्या, गोपाल भूत ,अग्रवाल समाज अध्यक्ष राजेश अग्रवाल , राम प्रसाद फरक्या सुमित फरक्या, व्यापारी द्वारा चल समारोह मे चल रहे माहेश्वरी समाज बंधुओ को सल्फाहार भी करवाया। महेश्वरी समाज के वरिष्ठ श्री राम गोपाल मालपानी द्वारा स्वागत किया गया । नगर परिषद द्वारा शिवाजी चौराहे पर भगवान् महेश की शोभा यात्रा का स्वागत किया । स्वागत करने पूर्व नप उपाध्यक्ष अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया नप उपाध्यक्ष भारत सिंह सोनगरा पूर्व पार्षद कमल तिवारी पार्षद प्रतिनिधि संजय धनोतिया पूर्व पार्षद मुकेश पोरवाल निडर, सांसद प्रतिनिधि इंद्रजीत भट्ट, भाजपा नेता सुनिल गर्ग, जयराम हरजानी, ईशु हरजानी, वीरेंद्र सोनी, शिवम मराठा आदि मौजूद रहे। चल समारोह मुख्य मार्ग होता हुआ स्टेशन बालाजी मंदिर पहुँचा, यहाँ विराजित शिवलिंग अभिषेक किया। आरती व प्रसाद वितरण भी हुआ। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष रमेशचंद्र काबरा ने बताया महेश नवमी के अवसर पर सामाजिक कार्यक्रम भी हुए। पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण मंत्री, सचिव किशोर मंत्री, पूर्व सचिव मनोहर काबरा श्री रामकिशन मुंदडा बाबूलाल जी बाहेती श्री जानकीलाल जी मुंदडा ,मनोहर जी डांगरा, रामगोपाल जी मालपानी, कैलाश जी मंत्री हरी शंकर मालपानी, ललित बिसानी, श्री अरुण मुंदडा ,अनिल मुंदडा, गिरीश जी राठी जगदीश जी डांगरा, हरिश डांगरा , रामचंद्र चांडक, विनोद डांगरा, रामगोपाल मुंदडा दिनेश बिसानी, नटवर मुंदडा,अशोक गोपाल डांगरा ,पवन मुंदडा , मनीष राठी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती आभा डांगरा ,सचिव श्रीमती खुशबु मंत्री, पूर्व पार्षद श्रीमती मुक्ति मनोहर काबरा युवा संगठन अध्यक्ष दर्शित मुंदडा सचिव नकुल मालपानी सहित बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे मौजूद रहे।

विद्युत वितरण कंपनी द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर के साथ छेड़छाड़ करने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शहर के खानपुरा निवासी श्री रिजवान खान पिता फरीद खान ने अपने विद्युत कनेक्शन पर लगे स्मार्ट मीटर के साथ छेड़छाड करने के उद्देश्य से श्री आबिद पिता रफीक खान निवासी नयापुरा को बुला कर मीटर को टेंपर्ड करने का प्रयास कर रहे थे उसी समय मौके पर विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारी ने पहुंच कर घटना का वीडियो बना लिया।सहायक यंत्री शहर श्री पीयूष पंवार ने सिटी कोतवाली पुलिस थाना मंदसौर में दोनो के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 139 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई है एवं मौका पंचनामा बनाकर मीटर एवं अन्य सामग्री जब्त करी है।यह जानकारी सहायक यंत्री शहर पीयूष पंवार ने दी।

गंगा दशहरा पर आयोजित शिवना घाट साफ सफाई एवं श्रमदान में सहभागिता करें

विधायक जैन ने सामाजिक संगठनों व आमजनों से की अपील

मंदसौर, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा के विधायक श्री विपिन जैन ने सभी को गंगा प्रकटोत्सव की बधाई देते हुए अपील की है कि गंगा दशहा पर शासन द्वारा शिवना घाट की साफ-सफाई एवं श्रमदान करने की कार्ययोजना बनाई हैं जिसमें हम सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन का कर्तव्य है कि हम पावन पुनीत शिवना मैया को साफ व स्वच्छ बनाये रखने के लिये श्रमदान अवश्य करे। विधायक श्री जैन ने कहा कि पूरे वर्ष भर कुआँ, बावड़ी, नदियां साफ रहे इनके प्रति हम सभी का दायित्व बनता है। व हम सभी को जल स्त्रोतों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है। विधायक श्री विपिन जैन ने नगर के समस्त आमजन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, कार्यकर्ताओं, पत्रकारों व सभी लोगों से आह्वान किया है कि श्री पशुपतिनाथ मंदिर पर जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत गंगा दशहरा आयोजन के मौके पर 16 जून 2024 रविवार को प्रात: 7 बजे शिवना घाट पर सफाई एवम श्रमदान में अवश्य भाग लेवे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने दी।

तेज तपन के बाद हुई बरसात

पिपलियामंडी, 15 जून गुरु एक्सप्रेस। शनिवार रात्रि नगर में बरसात हुई, गर्मी से कुछ राहत मिली। दिनभर तेज तपन के बाद शाम को बादल छा गए। रात्रि सवा आठ बजे बरसात शुरु हो गई। करीब 10 मिनिट हुई बरसात के बाद गर्मी से राहत महसूस की गई।

किसान संगठनों का विरोध और... पेज 1 से जारी

रुपए की किसान सम्मान निधि इसकी ही एक मिसाल है। लेकिन, इस सबसे परे यह भी स्थापित तथ्य है कि किसान इस राशि को अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं की तुलना में 'उंट के मुंह में जीरा' बराबर महत्व ही दे पा रहा है। बदलती आवश्यकताओं के बीच इस तबके के बीच यह बात बैठ गई है कि अब मामला खेती से होने वाली आय के दोगुना होने से कम वाला नहीं ही रहा है। तो अब शिवराज क्या करेंगे? किस तरह से वह कुछ ऐसा संतुलन बनाएंगे कि किसानों सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षाओं पर भी खरा उतर सकें? वैसे चौहान के अब तक के कामकाज को देखकर यह विश्वास किया जा सकता है कि वह इन हालात से सफलतापूर्वक निकल जाने में भी सक्षम हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि शिवराज अतीत से सबक लेकर वर्तमान सुधारने में भी माहिर हैं। वह जानते हैं कि वर्ष 2018 के राज्य के चुनाव में कांग्रेस ने किसानों को दस दिन में कर्ज माफ करने का वादा करके सत्ता हासिल कर ली थी। इससे सबक लेकर बाद में हुए 28 सीटों के विधानसभा उप चुनाव में शिवराज ने किसानों का इस तरह विश्वास जीता था कि इस वर्ग की बाहुलयता वाली लगभग हर सीट पर कांग्रेस हार गई थी। ऐसे में यह विश्वास के साथ सोचा जा सकता है कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने अनुभव और एक सहृदय जननायक की छवि के भरोसे शिवराज केंद्रीय मंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारी को लेकर भी तगड़ा होमवर्क करने में जुट गए होंगे। आखिर यह मारियो की निरंतर बढ़ती चुनौती जैसा मामला है और शिवराज ने अधिकांश अवसर पर चुनौतियों में ही अपनी सफलता का रास्ता तय किया है।

गौवंश मामले में फरार आरोपी... पेज 1 से जारी

पिता लतिफ धतिया नियारगर निवासी मुल्तानपुरा के साथ उपरोक्त आरोपियो द्वारा आयशर ट्रक में 16 गोवंश, केडे भरकर झालावाड से दिल्ली मुंबई 8 लाईन हाईवे होते हुए कानवन जा रहे थे। इसी बीच खेडाखेडी जावरा के पास उक्त वाहन दुर्घटनाग्रस्थ होने से वाहन मे भरे 15 गौवंश मर गये थे। उस समय उक्त तीनों आरोपी मौके से फरार हो गये थे। जिनको थाना वायडी नगर पर जहरीली शराब का परिवहन करते गिरफ्तार किया गया है। उक्त आरोपी गोवंश तस्करी मे काफी समय से सक्रिय थे। आरोपियो को न्यायालय मन्दसौर में पेश किया। जहां से तीनो आरोपियों का जैल वारण्ट बनने से जिला जैल मन्दसौर दाखिल किया गया।

कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी, रतलाम (मप्र)

दिनांक– 13.06.2024

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी दौलतराम धाकड़ पिता नंदरामजी धाकड़ निवासी ग्राम सादाखेड़ी, तहसील जावरा, जिला रतलाम की मृत्यु दिनांक 27.09.2022 को हो चुकी है ।इनके ट्रेक्टर जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 43 एबी 2118 को इनकी पत्नी कमलाबाई धाकड़ ने अपने नाम पर अंतर्गण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो मेरे समक्ष कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा इसके पश्चात उक्त ट्रेक्टर को श्रीमती कमलाबाई के नाम से अंतरण कर दिया जावेगा।

जिला परिवहन अधिकारी, रतलाम (म.प्र.)

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर

मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 15.06.2024

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार गोवर्धनसिह बोराना पिता गोबरसिंह जी बोराना, निवासी ग्राम तलाव पिपल्या, तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का एक आवासीय मकान नंबर-174 वार्ड नंबर 8 आबादी क्षेत्र, ग्राम तलाव पिपल्या, गाईड लाईन अनुसार पटवारी हल्का नंबर 00123 तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर का सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामित्व विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 249402024ए1635929 दिनांक 24.05.2024 से अपनी पत्नि उषा बाई पति गोवर्धनसिह बोराना, निवासी तलाब पिपल्या, तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर को अपना सह स्वामित्व को बनाया है। उक्त मकान की चर्तु सीमा निम्नवत है-

पूर्व में-कालूसिह का मकान, पश्चिम में -आम रास्ता, उत्तर में-भारतसिह का मकान, दक्षिण में-अमरसिह का मकान, पैमाईश - पूर्व से पश्चिम-70 फीट, उत्तर से दक्षिण-45 फीट। कुल क्षेत्रफल-3150 वर्गफीट या 292.64 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर गोवर्धनसिंह बोराना पिता गोबरसिंह जी बोराना, निवासी ग्राम तलाव पिपल्या, तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय

दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

N .V. BHALERG O, B.Com. LL.B (Hons)

ADVOCATE

102, Sky-Star, 49/1, Snehlataganj, Street No.1, Indare-452003 Phone:-0731-2534704

Mob:-98260-38733, Mail:-bhalerao.nv@gmail.com

जाहिर सूचना (असल दस्तावेज गुम होने बाबद)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार करूर वैश्य बैंक लि. इंदौर शाखा, अपोलो ट्रेड सेंटर, 2-बी, राजगढ़ कोठी, इंदौर द्वारा श्री दिनेश पिता श्री बंशीलाल धनोतिया, निवासी:- ग्राम मनासा, जिला नीमच को उन्होंके मालकी एवं कब्जे की परिवर्तित भूमि सर्वे क्र.382/4 पैकी, पटवारी हल्का नं. 13, ग्राम मनासा, तहसील मनासा जिला नीमच देवास जिसका कुल क्षेत्रफल 0.0.23 हेक्टेयर है को बंधक रख कर ऋण देना स्वीकार किया है।

यह कि उक्त भूमि स्वामी के मालकी की उक्त भूमि से संबंधित संपत्ति के स्वत्व संबंधित श्रृंखला का एक असल दस्तावेज विक्रय पत्र जिसका पंजीयन क्रमांक 1अ/506 दिनांक:-12-07-1990 जो कि इमदाद अली पिता श्री अब्बास अली बोहरा द्वारा श्री दिनेश पिता श्री बंशीलाल धनोतिया के हक्क में निष्पादित किया है उक्त भूस्वामी के पास 'उपलब्ध नहीं है एवं गुम हो चुका है।

अत:एव सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की, किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त दस्तावेज के सम्बन्ध में कोई आपति हो तो वह लिखित में मय प्रमाण के इस विज्ञप्ति प्रकाशन से 7 (सात) दिन में मुझे प्रस्तुत करे अन्यथा यह माना जायेगा की उपरोक्त दस्तावेज नष्ट हो चूका है एवम आवेदक को उक्त सम्पति का क्लियर एवम मार्केटेबल स्वत्व प्राप्त है, एवम किसी की कोई भी आपति मान्य नहीं होकर संबधित पक्ष पर बंधनकारक नहीं होगी।

एन. व्ही. भालेराव, अभिभाषक

102, स्काय स्टार, 49/1, स्नेहलतागंज, इंदौर (म.प्र.)

फोन:-0731-2534704 मोबाइल:-98260-38733

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in